

भारत सरकार
युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय
(खेल विभाग)
लोक सभा

अतारंकित प्रश्न संख्या 844

उत्तर देने की तारीख 21 नवम्बर, 2019

30 कार्तिक, 1941 (शक)

फिट इंडिया मूवमेंट के माध्यम से खेलों को बढ़ावा देना

844. श्रीमती संध्या राय:

श्री अण्णा साहेब शंकर जोल्ले:

श्री राजेश वर्मा:

डॉ. डी. रविकुमार:

श्री धनुष एम. कुमार:

श्री जी. सेल्वम:

श्री मोहन भाई कुंडारिया:

श्री विजय कुमार दुबे:

श्री रेबती त्रिपुरा:

क्या युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार का 'फिट इंडिया मूवमेंट' के माध्यम से खेलों को बढ़ावा देने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस संबंध में क्या कदम उठाए गए हैं;

(ख) क्या सरकार का देश में पारंपरिक ग्रामीण और स्वदेशी/जनजातीय खेलों को विकसित करने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) विगत तीन वर्षों में प्रत्येक वर्ष और चालू वर्ष के दौरान सरकार द्वारा ग्रामीण और स्वदेशी/जनजातीय खेलों के प्रचार के लिए सरकार द्वारा आयोजित वार्षिक प्रतियोगिताओं की संख्या कितनी है;

(घ) देश में पारंपरिक ग्रामीण और स्वदेशी खेलों को बढ़ावा देने में सरकार के समक्ष आ रही कठिनाइयों का ब्यौरा क्या है;

(ङ) क्या सरकार ने पारंपरिक ग्रामीण और स्वदेशी/जनजातीय खेलों के प्रचार के लिए जागरूकता अभियान शुरू किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(च) सरकार द्वारा युवाओं को विभिन्न प्रकार के खेलों में रुचि लेने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए अन्य क्या कदम उठाए गए हैं; और

(छ) क्या यू.जी.सी. के अंतर्गत उच्चतर शैक्षणिक संस्थानों ने किसी फिटनेस योजना की तैयारी की है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

युवा कार्यक्रम और खेल राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

(श्री किरेन रीजीजू)

(क) जी हां। फिट इंडिया मूवमेंट का मुख्य उद्देश्य खेलों, योगासन, सैर, साइक्लिंग, नृत्य या किसी अन्य शारीरिक कार्यकलाप के माध्यम से भारत के सभी नागरिकों की दिनचर्या में फिटनेस और इसके महत्व के बारे में जागरूकता उत्पन्न करना है।

(ख) देशज खेल और मार्शल आर्ट (आईजीएमए) स्कीम [राष्ट्रीय खेल प्रतिभा प्रतियोगिता (एनएसटीसी) की उप स्कीम] के अंतर्गत देश में देशज खेलों के संरक्षण और संवर्धन के लिए भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) ने कलारिपयाट्टु, सिलम्बम, कबड्डी, तीरंदाजी, मलखम्ब, मुक्ना, थांग-टा, खोमलैनाई और गटका की खेल विधाओं में प्रतिभावान खिलाड़ियों को नियमित प्रशिक्षण देने के लिए 10 विद्यालयों को अपनाया है। वर्तमान में 128 प्रशिक्षुओं (73 लड़के और 55 लड़कियां) को इन केंद्रों में प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसी प्रकार भारतीय पारंपरिक खेल कुश्ती को बढ़ावा देने के लिए साई ने देश भर में एनएसटीसी स्कीम के अंतर्गत 48 अखाड़ों को भी अपनाया है। वर्तमान में इन अखाड़ों में 766 प्रतिभावान पहलवानों (677 लड़के और 89 लड़कियां) को प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

इसके अलावा, प्रतिभा पहचान, उपकरण, पोशाक, कोचों का प्रशिक्षण कार्यक्रम, अवसंरचना विकास, राष्ट्रीय खेल परिसंघ (एनएसएफ) द्वारा नियुक्त कोचों के लिए वेतन और एनएसएफ द्वारा संस्तुत मेधावी प्रशिक्षुओं के लिए छात्रवृत्ति संबंधी व्यय को पूरा करने के लिए अनुदान के प्रावधान के माध्यम से ग्रामीण और देशज/ जनजातीय खेलों को बढ़ावा देने के लिए भारत सरकार द्वारा खेलो इंडिया स्कीम के अंतर्गत "ग्रामीण और देशज/ जनजातीय खेलों का संवर्धन" नामक एक घटक को कार्यान्वित किया गया है। इस समय इस स्कीम के अंतर्गत सरकार द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसार सहायता के लिए मलखम्ब, कलारिपयाट्टु, गटका और थांग-टा खेल विधाओं की पहचान की गई है।

(ग) ग्रामीण और देशज/ जनजातीय खेलों को बढ़ावा देने के लिए वर्ष 2018-19 में "एक भारत श्रेष्ठ भारत" कार्यक्रम के अंतर्गत देश भर में विभिन्न 23 स्थानों पर अनन्य रूप से ग्रामीण और देशज खेलों में 23 स्पर्धाओं का आयोजन किया गया। इन स्पर्धाओं में 1500 खिलाड़ियों ने भाग लिया। इन खेल विधाओं में स्कवे, खो-खो, कलारिपयाट्टु, मलखम्ब और रोल बॉल में शामिल खेल विधाएं निम्नानुसार हैं:

मलखम्ब	- चार प्रदर्शन स्पर्धाएं
स्कवे	- तीन प्रदर्शन स्पर्धाएं
कलारिपयाट्टु	- नौ प्रदर्शन स्पर्धाएं
खो-खो	- छह प्रदर्शन स्पर्धाएं
रोल बॉल (देशज खेल)	- एक प्रतियोगिता स्पर्धा

(घ) पारंपरिक ग्रामीण और देशज खेल प्रायः अनौपचारिक स्वरूप में होते हैं और इनमें पर्याप्त लीडर नहीं होते हैं। सरकार द्वारा ग्रामीण और देशज खेलों पर विशेष बल दिए जाने से इन खेलों को नेतृत्व और औपचारिक स्वरूप दिए जाने को बढ़ावा मिला है।

(ड.) सरकार द्वारा देश में पारंपरिक ग्रामीण और देशज खेलों को बढ़ावा देने के लिए निम्नलिखित पहल की गई हैं:

i. खेलो इंडिया स्कीम के अंतर्गत "ग्रामीण और देशज/ जनजातीय खेलों का संवर्धन" नामक एक घटक के अंतर्गत मलखम्ब, कलारिपयाडु, गटका और थांग-टा खेल विधाओं को सहायता दी जा रही है।

ii. अवसंरचना विकास, उपकरण संबंधी सहायता, कोचों की नियुक्ति, कोचों के प्रशिक्षण और छात्रवृत्ति के लिए वर्ष 2019-20 के लिए कुल 10.85 करोड़ रु. की धनराशि संस्वीकृत की गई है।

iii. मलखम्ब, कलारिपयाडु, गटका और थांग-टा के 335 पदक विजेताओं को एक वर्ष की अवधि के लिए प्रति खिलाड़ी 10,000/- रु. प्रति माह की छात्रवृत्ति दी जा रही है। इस समय एनएसएफ द्वारा की गई सिफारिश के आधार पर 1 अक्टूबर, 2019 से 185 खिलाड़ी छात्रवृत्ति प्राप्त कर रहे हैं।

iv. 10 से 20 जनवरी, 2020 तक गुवाहाटी में आयोजित किए जाने वाले खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2020 में खो-खो और कबड्डी खेल विधाओं को भी शामिल किया गया है।

(च) सरकार ने खेलों में युवाओं की प्रतिभागिता को प्रोत्साहित करने के लिए अनेक कदम उठाए हैं। मेधावी खिलाड़ियों के लिए समूह ग पदों पर सीधी भर्ती में 5 प्रतिशत तक के आरक्षण का प्रावधान है। भारतीय खेल प्राधिकरण ओलंपिक खिलाड़ियों/पैरा ओलंपिक खिलाड़ियों को सहायक कोच के रूप में भर्ती करता है। खिलाड़ियों के प्रशिक्षण और विदेशों में आयोजित प्रतियोगिताओं सहित विभिन्न प्रतियोगिताओं में उनकी प्रतिभागिता और एक्सपोजर के लिए सहायता प्रदान की जाती है। मंत्रालय तथा भारतीय खेल प्राधिकरण की स्कीमों के अंतर्गत देश भर में 14659 (8701 आवासीय और 5958 गैर- आवासीय) प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। मेधावी खिलाड़ियों को पुरस्कार और सम्मान भी प्रदान किए जाते हैं। खिलाड़ियों और कोचों को खेल विभाग की खेल सुविधाओं का निःशुल्क उपयोग करने की अनुमति प्रदान करने का निर्णय लिया गया है।

(छ) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने दिनांक 27 सितम्बर, 2019 की अधिसूचना सं.एफ.1-54/2019(वेबसाइट/फिट-इंडिया) द्वारा फिट इंडिया मूवमेंट के तहत विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में फिटनेस और स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए उच्चतर शिक्षा संस्थानों में संस्थागत फिटनेस योजना के लिए दिशानिर्देश अधिसूचित किए हैं जिनका विवरण अनुबंध में दिया गया है।

प्रो. रजनीश जैन
सचिव

अ.शा.सं. एफ.1-54/2019(वेबसाइट/फिट-इंडिया)

दिनांक: 27 सितम्बर, 2019

विषय: फिट इंडिया मूवमेंट

आदरणीय श्री/ सुश्री/ श्रीमती

‘‘फिट इंडिया मूवमेंट’’ में भागीदारी के संबंध में यूजीसी के दिनांक 23 अगस्त, 2019 के पत्र के अनुक्रम में फिट इंडिया मूवमेंट के तहत विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में फिटनेस और स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए ‘‘उच्चतर शिक्षा संस्थानों में संस्थागत फिटनेस योजना के लिए दिशानिर्देश’’ संलग्न हैं।

आपसे अनुरोध है कि अपने संस्थान में इन दिशानिर्देशों के कार्यान्वयन और समय-समय पर इनसे संबंधित कार्यकलापों की निगरानी के लिए एक तंत्र तैयार किया जाए।

सादर,

भवदीय,

(रजनीश जैन)

सेवा में,

सभी विश्वविद्यालयों के कुलपति

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग
उच्चतर शिक्षा संस्थानों में संस्थागत फिटनेस योजना के लिए दिशानिर्देश

फिटनेस सदैव हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा रहा है ;
आधुनिक प्रौद्योगिकी ने जीवन-शैली को सुस्त बना दिया है और आधुनिक सुविधाओं के कारण शारीरिक व्यायाम की मांग समाप्तप्राय हो गई है;
जंक फूड/ फास्ट फूड के कारण अस्वस्थ जीवन-शैली हो गई है;
जीवन-शैली संबंधी अव्यवस्था के कारण बीमारियां बढ़ गई हैं;
सरकार ने प्रत्येक व्यक्ति को शारीरिक मानदंडों पर खरा उतरने के लिए प्रेरित करने हेतु फिटनेस को राष्ट्रीय प्राथमिकता का दर्जा दिया है; और
शैक्षणिक संस्थान उच्चतर शिक्षा संस्थानों में छात्रों, अध्यापकों और स्टाफ के बीच फिटनेस तथा स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए सक्षम हैं।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग एतद्वारा उच्चतर शिक्षा संस्थानों में फिटनेस के अभियान को बढ़ावा देने के लिए निम्नलिखित दिशानिर्देश जारी करता है।

दिशानिर्देश

दिशानिर्देशों का कार्यक्षेत्र:

- (क) ये दिशानिर्देश देश के सभी उच्चतर शिक्षा संस्थानों पर लागू हैं।
- (ख) ये दिशानिर्देश छात्रों और स्टाफ के फिटनेस और स्वास्थ्य के प्रति नीतियों और कार्य पद्धतियों को अपनाने के लिए उच्चतर शिक्षा संस्थानों (विश्वविद्यालय और कॉलेज) को प्रोत्साहित करते हैं।

फिटनेस योजना का कार्यान्वयन

सभी उच्चतर शिक्षा संस्थानों को कैम्पस में छात्रों, संकाय तथा स्टाफ की शारीरिक और मानसिक फिटनेस को उच्च प्राथमिकता देने की जरूरत है। उन्हें इन कार्यकलापों के कार्यान्वयन और निगरानी के लिए एक तंत्र तैयार करना चाहिए। इस संबंध में निम्नलिखित दिशानिर्देश/ उपाय किए जा सकते हैं:

1. संस्थान के उद्देश्यों में स्वास्थ्य देखभाल और स्वास्थ्य संबंधी पहलों के प्रावधान करना।
2. संस्थानों के शैक्षणिक कैलेंडर में शारीरिक फिटनेस का पीरियड और टाइम स्लॉट होना चाहिए। सभी छात्रों को प्रतिभागिता करने के लिए शारीरिक फिटनेस टाइम स्लॉट को पूरा दिन अलग-अलग निर्धारित किया जाए।
3. सभी छात्रों, स्टाफ और शिक्षकों को फिटनेस कार्यकलापों यथा व्यायाम, योग, ध्यान,सैर, साईक्लिंग, एरोबिक्स, नृत्य, पारंपरिक क्षेत्रीय मार्शल आर्ट आदि पर प्रतिदिन न्यूनतम एक घंटा समय देने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।
4. संस्थानों को शारीरिक फिटनेस के लिए छात्रों को सलाह देने हेतु फिटनेस लीडर तैयार करना चाहिए। संस्थानों से छात्र स्वयंसेवकों, संकाय सदस्यों, अनुदेशकों, भूतपूर्व सैनिकों और अन्य स्वयंसेवकों की सेवाएं स्वैच्छिक आधार पर प्राप्त की जाएं । परिसर में स्वास्थ्य और फिटनेस

पर छात्रों को संबोधित करने के लिए स्वास्थ्य आइकन और प्रेरक वक्ताओं को आमंत्रित करना चाहिए ।

5. संस्थान के शीर्ष नेता और प्रोफेसर उदाहरण प्रस्तुत करते हुए आवधिक आधार पर फिटनेस कार्यकलापों यथा साइकिलिंग, रनिंग, एरोबिक्स, वॉकथॉन, मैराथन ,योग, ध्यान जैसे कार्यकलापों में छात्रों और स्टाफ के साथ सक्रिय रूप से भागीदारी करें ।

6. मौजूदा अवसंरचना का उचित उपयोग करना, छात्रों को सीढ़ियां चढ़ने, प्रतिदिन कम से कम 10000 कदम चलने, साइकिलिंग जोन बनाकर परिसर के भीतर साइकिल का उपयोग करने, व्यायामशाला में सुविधाओं आदि का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित करना।

7. मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए छात्रों के भावनात्मक पहलू को समझना, संकाय और छात्रों के लिए अवसाद, चिंता और तनाव प्रबंधन पर जागरूकता या जानकारी मुहैया कराने के संबंध में कार्यशालाएं आयोजित करें ।

8. संतुलित पोषक आहार, पम्फलेट्स का वितरण और इस विषय पर सूचना सामग्री के संबंध में मार्गदर्शन करना ।

9. खेल कार्यकलापों (तिमाही में कम से कम एक बार) का नियमित आयोजन करना और ऐसे कार्यकलापों में प्रतिभागिता के लिए छात्रों को प्रोत्साहित करना ।

10. छात्रों, संकाय और स्टाफ के स्वास्थ्य एवं फिटनेस की जांच के लिए स्वयंसेवी डॉक्टरों या स्वैच्छिक संगठनों द्वारा प्रतिवर्ष स्वास्थ्य जांच करना ।

11. संस्थानों के स्वास्थ्य और फिटनेस कार्यकलापों से संबंधित आंकड़े वेबसाइट पर उपलब्ध कराए जाने चाहिए । राष्ट्रीय स्तरीय पुरस्कारों के लिए अनुकरणीय प्रदर्शक चयनित किए जाएं।
